** जादू की चाबी ** घर बैठे भगवान् मिला
स्वर्ग का पास पोर्ट दिया
नये भाग्य का निर्माण हुआ
खजाने की चाबी मिली
सुखों की सौगात मिली
द्वार खुद वो चल कर आये
भेद सब खोलने आये
बुद्धि का ताला खोला
त्रिनेत्री त्रिकाल दर्शी बनाया
चाबी का खेल दिखाया
कमाल जादू सा करके बताया
मानवसे देव तुल्य बनाया
सद्गुणों की माला पहनायी
एकनामी होने का मंत्र दिया
रूहानी ज्योतिष बनाया
तीन लोको की सैर करायी
संकल्पों का विमान दिया
इस चाबी को रखो न किनारे
इकॉनमी नही खजानों को यूज़ करो
गुण शक्तियों को आर्डर करो
आह्वान करो निर्भय बनो
आवागमन अच्छे बुरे का न करो
सफलता का निश्चय करो
महाकाल के बच्चे हो तुम

सदा विजयी पांडव हो सब
कितने लक्की हो ऐसे
जो स्वप्न में न हो
वो साकार बाप तुमको
साक्षात् समुख मिलने आया
कंपनी और कम्पेनियन में
सदा दिनचर्या में उनके रहो
युगल बनाओ साथी रहो
माया से अब डिवोर्स लो
सिंगल बन फिर युगल
बन नया खाता बनाओ
सुख का साथी मिला
मन का मनोरंजन हुआ
एकनामी का मंत्र से
नया राज्यवंश बनाओ
अवगुण किसी के न देखो
वाह वाह सब बच्चो की करो
व्यर्थ है बीमारी के जर्म्स
शुभचिंतन की पावरफुल
दवाई छिड़काओ
बुद्धि को खाली स्वच्छ करो
बापको विराजमान करो
रूहानियत के मीठे बोल बोलो
एक मत हो संगठन में रहो

साक्षात् मूर्त बन प्रत्क्षय करो

ॐ शांति!!!